GREENLAWNS HIGH SCHOOL
FINAL EXAMINATION YEAR 2018

SUBJECT : HINDI
TIME : 3 HRS

CLASS : IX
MARKS :80

Answer to this paper must be written on the paper provided separately. You will not be allowed to write during the first 10 minutes. This time is to be spent in reading the question paper. The time given at the head of this paper is the time allowed for writing the answers.
This paper comprises of two Section: Section A and Section B.
Attempt all the questions from section A attempt any four questions from section B. answering at least one question each from the two books you have studied and any two other questions.

Section A (40 Marks)
Attempt all questions

प्रश्न १. निम्नलिखित विषयों में से किसी एक विषय पर हिन्दी में लगभग २५० शब्दों में संक्षिप्त लेख लिखिए:- (१५)

१) "भारत में हो रहे सभी अनर्थों की जड़ है जनसाधारण की गरीबी और अशिक्षा" इस कथन को ध्यान में रखकर अपनेविचार व्यक्त कीजिए।

२) "विश्वास में बड़ी शक्ति है। यह विश्वास चाहे किसी पर हो-स्वयं पर, मित्रों पर या अपने आराध्य पर।"इस भाव को अभिव्यक्त करते हुए अपने जीवन का कोई अनुभव लिखिए।

३) कोहरे के कारण सड़क दुर्घटनायें बढ़ती जा रही हैं। किसी सुनी-सुनाई अथवा पढ़ी हुई दुर्घटना का वर्णन कीजिए तथा इस प्रकार की दुर्घटनाओं को रोकने के बारे में अपने सुझाव भी दीजिए।

४) "एक मछली सारे तालाब को गन्दा करती है।"उक्ति के आधार पर एक मौलिक कहानी लिखिए।

५) प्रस्तुत चित्र को ध्यान से देखिए और चित्र को आधार बनाकर उसका परिचय देते हुए कोई लेख, कहानी अथवा घटना लिखिए जिसका सीधा व स्पष्ट संबंध चित्र से होना चाहिए।

...2/-

प्रश्न २. निम्नलिखित में से किसी एक विषय पर पत्र लिखिए:- (७)

१) अपनी माता जी को पत्र लिखिए जिसमें उनके द्वारा भेजी हुई कहानी की किताब के लिए धन्यवाद प्रकट किया गया हो।

२) अपने मोहल्ले में मच्छरों के प्रकोप का वर्णन करते हुए उचित कार्यवाही के लिए स्वास्थ्य अधिकरी को पत्र लिखिए।

प्रश्न ३. निम्नलिखित गद्यांश को ध्यान से पढ़िए तथा उसके नीचे लिखे गए प्रश्नों के उत्तर लिखिए। (१०)
उत्तर यथासंभव आपके अपने शब्दों में होने चाहिए।

बादशाह अकबर एक दिन शिकार खेलते हुए जंगल में भटक गए। शाम हो रही थी, अत: वह घोड़े को एक पेड़ से बाँधकर नमाज़ पढ़ने बैठ गए। बादशाह अकबर ने नमाज़ पढ़ना आरंभ ही किया था कि एक औरत उनसे टकराती हुई, उनके पास से निकल गई। बादशाह का ध्यान भंग हो गया। आँख खोलकर देखा, एक बदहवास औरत तेजी से भागी चली जा रही थी।उसका धक्का खाकर बादशाह अकबर को बहुत बुरा लगा। उन्होंने जल्दी-जल्दी नमाज़ पढ़ी और फिर घोड़े पर सवार होकर उस औरत के पीछे भागे।

भागती हुई औरत को उन्होंने शीघ्र ही जा पकड़ा और पूछा, ''क्यों री, बदतमीज! तूने मुझे धक्का क्यों दिया?'' वह औरत बादशाह अकबर की बात सुनकर हैरान हुई। उसने पूछा, ''कौन हैं आप?कैसा धक्का? कब लगा? कहाँ थे आप?''

यह बात सुनकर बादशाह अकबर उत्तेजित हो गए। उस औरत की यह गुस्ताखी उन्हें अच्छी नहीं लगी। उन्हें अपने सम्राट होने का अहसास था, इसलिए आँखे लाल करके बोले- ''अरी गुस्ताख ! मैं नमाज पढ़ रहा था, तू पास से भागती हुई आई और धक्का देकर निकल गई। तूने मेरी नमाज में खलल डाल दिया।''

औरत ने घबराए बिना सहज स्वभाव में कहा, ''इस बारे में मुझे कुछ नहीं मालूम। मैंने आपको नहीं देखा। हो सकता है, भागते हुए मेरा धक्का आपको लग गया हो, मगर आपका धक्का तो मुझे नहीं लगा। धक्के का लगना और उसका अनुभव दोनों ओर से होता है, एक तरफ से तो नहीं होता। आपको मेरा धक्का लगा, मगर मुझे तो कुछ भी पता नहीं।''

बादशाह अकबर और भी अधिक क्रोधित होकर बोले, ''तो क्या मैं झूठ बोल रहा हूँ? नमाज़ पढ़ते हुए धक्का दे गई और अब ऊपर से बदजबानी और मुँहजोरी करती है।''

वह औरत हँसते हुए बोली, ''मुझे क्या पड़ी है, आपको धक्का देने की! मैं तो अपने प्रिय पुत्र से मिलने जा रही हूँ, जो समुद्री-यात्रा से लौटा है। पुत्र से मिलने के विचार से, पुत्र-प्रेम में अपना आपा खोकर हो सकता है मैं आपसे टकरा गई होऊँगी, मगर ताज्जुब तो इस बात का है कि आप दुनिया के मालिक, सबसे बड़े प्रेमी के ध्यान में, उनके प्रेम में कैसे कच्चे ढंग से बैठे थे कि आपको मेरे धक्के का पता लग गया, जबकि मैं अपने प्रिय पुत्र के ध्यान में, उसके प्रेम में किसी भी धक्के को न जान सकी।''

वह प्रेम ही क्या जो संसार की अनेकरूपता को मिटाकर प्रेम-पात्र के प्रति समानता न स्थापित कर सके।लंबे समय के बाद पुत्र से मिलने की प्रेम-भावना ने माँ के सामने पुत्र के अतिरिक्त सब-कुछ ओझल कर दिया था। उस समय वह बड़े-छोटे, बादशाह या प्रजा सभी भेदों को मिटा चुकी थी।

अकबर के लिए यह आँख खोलने वाली घटना थी। वह अल्लाह की इबादत करते हुए भी, उसके प्रति प्रेम-भाव प्रकट करते हुए भी एकाग्र न हो सका था।

वास्तव में सब-कुछ छोड़कर केवल ईश्वर को पाने की इच्छा जगाना ही, उसके प्रति सच्ची भक्ति होती है, सच्चा प्रेम होता है। अपने अहम् से मुक्ति पाए बिना व्यक्ति परमात्मा से एकरूपता स्थापित नहीं कर सकता परमात्मा को नहीं पा सकता। जिस व्यक्ति के हृदय में प्रेम-भाव उत्पन्न नहीं होता, वह जीवित होते हुए भी मृत के समान है। प्रेम परायों को भी अपना बनाता है, जबकि घृणा और अभिमान मनुष्य को मनुष्य से दूर करता है।

प्रश्न-निम्नलिखित प्रश्नों के उत्तर दीजिए-

१) बादशाह अकबर कहाँ नमाज पढ़ रहे थे और क्यों ? (२)

2) औरत तेजी से क्यों भागी जा रही थी ? उसका धक्का लगने पर बादशाह अकबर को कैसा अनुभव हुआ ? (२)

3) औरत की किस 'बात को सुनकर बादशाह अकबर उत्तेजित हुए और क्यों ? (२)

४) बताइए कि बादशाह अकबर ने धक्के को क्यों महसूस किया तथा औरत ने धक्के को क्यों महसूस नहीं किया ? (२)

५) प्रस्तुत गद्यांश से आपको क्या शिक्षा मिली ? (२)

प्रश्न ४. निम्नलिखित प्रश्नों के उत्तर निर्देशानुसार लिखिए–

१) निम्नलिखित शब्दों में से किसी एक शब्द के दो-दो पर्यायवाची शब्द लिखिए:- (१)
गंगा, पत्ता

२) निम्नलिखित शब्दों में से दो शब्दों के विलोम शब्द लिखिए:- (१)
अल्पायु, आशीर्वाद, भद्र, सामिष

३) निम्नलिखित शब्दों में से किन्ही दो शब्दों के तद्भव रुप लिखिए:- (१)
स्वर्ण, अस्थि, शत, नृत्य

४) निम्नलिखित शब्दों ~~में से किन्हीं दो की~~ भाववाचक संज्ञा बनाइए:- (१)
राष्ट्र, स्त्री

५) निम्नलिखित में से किसी एक मुहावरे की सहायता से वाक्य बनाइए:- (१)
खयाली पुलाव पकाना, पानी-पानी होना।

६) कोष्ठक में दिए गए निर्देशानुसार वाक्यों में परिवर्तन कीजिए:-

१) शायद दरवाजे पर कुछ है। (रेखांकित शब्द के स्थान पर उचित सर्वनाम का प्रयोग कीजिए। (१)

२) अंधे को कुछ दिखाई नहीं देता। ('अंधा' से वाक्य बनाइए।) (१)

३) बच्चे अब खिलौना ले रहे हैं। ('द्वारा' शब्द का प्रयोग कीजिए) (१)

Section B (40 Marks)

Attempt four questions from this section.
You must answer at least one question from each of the two books. You have studied and any two other questions.

साहित्य सागर – गद्य विभाग

प्रश्न ५. निम्नलिखित गद्यांश को पढ़िए और उसके नीचे लिखे प्रश्नों के उत्तर हिन्दी में लिखिए:-

वह बोला, '' माई बाप गलती हो गई। इस बार माफ कर दो।"

१. यहाँ वक्ता कौन है ? उसने उपर्युक्त कथन किस अवसर पर कहा है ? (२)

२. वक्ता की बात सुनकर श्रोता ने क्या प्रतिक्रिया व्यक्त की ? समझाकर लिखिए। (२)

३. वक्ता ने अपने बचाव में कोई बहाना क्यों नहीं बनाया ?इस आधार पर उसका चरित्र-चित्रण कीजिए ? (३)

४. प्रस्तुत कहानी का उद्देश्य स्पष्ट कीजिए ? (३)

प्रश्न ६. निम्नलिखित गद्यांश को पढ़िए और उसके नीचे लिखे प्रश्नों के उत्तर हिन्दी में लिखिए:-

''अकस्मात शुभकार्य में विघ्न की तरह उग्ररुप धारण किए हुए विश्वेश्वर वहाँ आ घुसे।"

१) विश्वेश्वर कौन है ? वे कहाँ और कब आ घुसे ? (२)
२) विश्वेश्वर ने किस शुभकार्य में विघ्न पैदा कर दिया था ? कैसे ? (२)
३) विश्वेश्वर को किसने क्या जानकारी दी ? उससे विश्वेश्वर किस प्रकार प्रभावित हुए ? समझाकर लिखिए। (३)
४) प्रस्तुत कहानी के शीर्षक की सार्थकता पर प्रकाश डालिए ? (३)

प्रश्न ७. निम्नलिखित गद्यांश को पढ़िए और उसके नीचे लिखे प्रश्नों के उत्तर हिन्दीं में लिखिए:-

''लेकिन आदत से मजबूर आँखे चौराहा आते ही मूर्ति की तरफ उठ गईं कुछ ऐसा देखा कि चीखे, रोको।"

१) कौन किस आदत से मजबूर है ? समझाकर लिखिए ? (२)
२) उस दिन ऐसी कौन-सी नई चीज उन्होंने देखी कि इतना उत्तेजित हो गए ? (२)
३) नेता जी का चश्मा हर बार क्यों बदल जाता था ? उसे कौन बदलता था ? स्पष्ट कीजिए। (३)
४) वक्ता मूर्ति के सामने अटेंशन की मुद्रा में क्यों खड़े हो गए ? इससे उसकी किस भावना का परिचय मिलता है ? समझाकर लिखिए। (३)

साहित्य सागर – पद्य भाग

प्रश्न ८. निम्नलिखित पद्यांश को पढ़िए और उसके नीचे लिखे प्रश्नों के उत्तर हिन्दी में लिखिए:-

''जब मैं था तब हरि नहीं, अब हरि हैं मैं नाहि।
प्रेम गली अति साँकरी, तामें दो न समाहि।।
सात समंद की मसि करौं, लेखनि सब बनराय।
सब धरती कागद करौं, हरि गुन लिखा न जाय।।"

१) प्रेम गली में दो क्यों नहीं समा सकते ? समझाकर लिखिए। (२)
२) 'मैं'का क्या तात्पर्य है ? हरि की भक्ति से इसका क्या संबंध है ? (२)
३) किन वस्तुओं के होते हुए भी ईश्वर के गुण नहीं लिखे जा सकते ? क्यों ? (३)
४) अर्थ लिखिए- (३)
तामें, लेखनि, बनराय, कागद, हरि, साँकरी।

प्रश्न ९. निम्नलिखित पद्याशं को पढ़िए और उसके नीचे लिखे प्रश्नों के उत्तर हिन्दी में लिखिए:-

'चाट रहे जूठी पत्तल वे कभी सड़क पर खड़े हुए
और झपट लेने को उनसे कुत्ते भी हैं अड़े हुए।''

१) 'वे' कौन हैं और क्या कर रहे हैं ? स्पष्ट कीजिए। (२)
२) उस व्यक्ति के साथ और कौन हैं तथा उनकी क्या दशा है ? (२)
३) प्रस्तुत कविता का केन्द्रीय भाव लिखिए ? (३)
४) यह कविता किस समस्या पर प्रकाश डालती है ? इसके कारण व सुझाव लिखिए। (३)

प्रश्न १०. निम्नलिखित पद्यांश को पढ़िए और उसके नीचे लिखे प्रश्नों के उत्तर हिन्दी में लिखिए:-

'जन्मे जहाँ थे रघुपति, जन्मी जहाँ थी सीता,
श्रीकृष्ण ने सुनाई, वंशी पुनीत गीता,
गौतम ने जन्म लेकर, जिसका सुयश बढ़ाया,
जग को दया दिखाई, जग को दीया दिखाया।
वह युद्ध भूमि मेरी, वह बुद्धभूमि मेरी।
वह जन्मभूमि मेरी, वह मातृभूमि मेरी।"

१) प्रथम दो पंक्तियों में कवि ने किस-किस का उदाहरण दिया है और क्यों ? (२)
२) कवि ने भारत को बुद्धभूमि क्यों कहा है ? बुद्ध ने इसका सुयश कैसे बढ़ाया है ? (२)
३) श्रीकृष्ण ने गीता में अर्जुन को क्या उपदेश दिया ? (३)
४) प्रस्तुत कविता के संदेश को स्पष्ट कीजिए। (३)